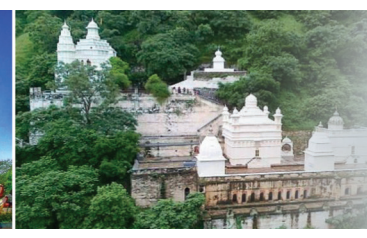

नवभारत
भोपाल, गुरुवार 12 मार्च 2026

ताप्ती बैराज के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कर रोका 12 फीट पानी

नवभारत न्यूज

बैतूल, 11 मार्च. खेड़ी ताप्ती बैराज की क्षतिग्रस्त हिस्से की वैकल्पिक मरम्मत कर नगरपालिका ने करीब संग्रहित 0.5 एमसीएम पानी को सुरक्षित किया गया है।

25 मीटर लंबी, 20 फीट ऊंची दीवार की खड़ी

दो माह तक जलापूर्ति बनाये रखने में बनेगा सहायक

यह पानी क्षतिग्रस्त हिस्से से बह जाता था, लेकिन भीषण गर्मी से पहले जल संकट की आशंका के बीच नगरपालिका ने क्षतिग्रस्त हिस्से से बहने वाले पानी को जुगाड़ तकनीक के सहारे रोक लिया गया है। जिससे आने वाले दो से ढाई माह तक शहर की जलापूर्ति सुचारू रहने की उम्मीद है। बता दे कि शहर की जनसंख्या के अनुरूप जलापूर्ति के लिए माचना एनीकट पर्याप्त साबित नहीं हो रहा था। ऐसे में नपा ने वैकल्पिक स्रोत के रूप में खेड़ी स्थित ताप्ती नदीं पर बैराज बनवाया था। यह बैराज करीब 7 करोड़ रुपये में बना था, लेकिन पहली बारिश में ही बैराज के एक ओर का हिस्सा बंड (तटबंध या किनारा) बह गया था। प्रारंभिक वर्षों में लाखों रुपए खर्च कर मरम्मत कराई गई थी, लेकिन ताप्ती नदी की बाढ़ में अस्थाई संरचनाएं बह गईं। जिसके कारण हर साल पारसडोह जलाशय से जब पानी छोड़ा जाता है तो क्षतिग्रस्त हिस्से से व्यर्थ बह जाता था और नगरपालिका को दोबारा पानी लेना पड़ता था, जिससे आर्थिक भार बढ़ता था।

जुगाड़ के सहारे पानी रोकने में मिली सफलता : गर्मी के दिनों में शहरवासियों को पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना

पड़ता था, हालांकि नगर पालिका ने इस बार इसकी मरम्मत बांधों के विशेषज्ञ जल संसाधन विभाग से करवाने की पहल की थी, लेकिन विभाग ने इसकी मरम्मत करने से इंकार करते हुए आसपास नया बैराज बनाने की राय दी है। विभाग द्वारा इसकी डीपीआर भी बनाई जा रही है। हालांकि यह योजना अभी प्रारंभिक दौर में है और इसे मूर्त रूप लेने में लंबा समय लगेगा। ऐसे में इस गर्मी के लिए व्यवस्था करना जरूरी था। यही कारण है कि सब इंजीनियर धीरेन्द्र राठौर ने तात्कालिक व्यवस्था के तौर पर अपने स्तर पर ही यहां काम शुरू किया और जुगाड़ के सहारे ही पानी रोकने की कोशिश की, जिसमें सफलता भी मिली। फरवरी की शुरुआत में ही ताप्ती का वॉटर लेवल शून्य हो गया था। नपा ने पहले बैराज के क्षतिग्रस्त हिस्से की अस्थाई मरम्मत शुरू कराई और उसके बाद घोघरी जलाशय से नियंत्रित गति से पानी छोड़ा, ताकि एकदम दबाव न बने। नगरपालिका के अनुसार क्षतिग्रस्त हिस्से में 25 मीटर लंबी, लगभग 20 फीट ऊंची और 6 मीटर चौड़ी अस्थाई दीवार खड़ी की गई है।

> ताप्ती बैराज में पानी को रोकने क्षतिग्रस्त हिस्से की अस्थाई मरम्मत कराई है। चूंकि मरम्मत किए हिस्से की दीवार पर ज्यादा दबाव न पड़े, इसलिए बैराज को 12 फीट तक ही भरा है। यह पानी दो माह तक सप्लाई में उपयोग किया जा सकेगा।
> **– धीरेंद्र राठौर, जल शाखा प्रभारी एवं सब इंजीनियर नगरपालिका बैतूल**

रोजाना 90 लाख लीटर पानी की सप्लाई

नगरपालिका के अनुसार शहर में रोजाना 90 लाख लीटर पानी की सप्लाई की जाती है। इसके लिए शहर भर में 9 टंकियां हैं। नगर पालिका का पाइप लाइन का नेटवर्क करीब 200 किलोमीटर लंबाई का है। पेयजल के लिए नगरपालिका द्वारा 17400 नल कनेक्शन दिए गए है। ताप्ती बैराज के अलावा नगरपालिका बैतूल के विवेकानंद वार्ड में स्थित माचना एनीकट से भी पानी लेती है। हालांकि यहां का पानी आपात स्थिति में उपयोग करने के लिए रिजर्व रखा जाता है। श्री राठौर ने बताया कि ताप्ती बैराज में रोका गया पानी अप्रैल महीने के आखिर तक चल सकेगा। नगर पालिका घोघरी डैम में शहर के लिए एक एमसीएम पानी पेयजल के लिए रिजर्व रखवाती है। जहां से अभी कुछ मात्रा में पानी लिया गया है।

4 लाख खर्च कर रोक लिया 12 फीट पानी

बताया जा रहा है कि वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में बैराज की मरम्मत के लिए लगभग चार लाख रूपये खर्च किये गये है। इस राशि से चार डंपर बारीक डस्ट बुलाई। इसके अलावा 100 डंपर मुरम बुलाई गई। बोल्डर तो मजदूरों से वहीं से जमा करवा लिए गए। जेसीबी मशीन नगरपालिका की उपयोग की गई। इन सबके सहारे बैराज के क्षतिग्रस्त हिस्से को दुरूस्त करने के लिए यहां बंड बना दिया। यह बंड बन जाने से करीब 12 फीट तक पानी रूक रहा है। जिससे आने वाले दो से ढाई माह तक शहर की जलापूर्ति सुचारू रहने की उम्मीद है। श्री राठौर का कहना है कि यह अस्थाई समाधान है, इससे पानी की बर्बादी रोकी जा सकी है। यदि यह प्रयास नहीं किया जाता, तो घोघरी जलाशय से लिया गया पानी भी व्यर्थ बह सकता था। फिलहाल बैराज में संग्रहित पानी आगामी दो से ढाई महीनों तक शहर की जलापूर्ति बनाए रखने में सहायक रहेगा। शहरवासियों को गर्मी के दौरान राहत मिलेगी।

एक नजर में

शंकराचार्य स्वामी प्रज्ञानानंद कल आमला आएंगे

बैतूल। जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी प्रज्ञानानंद सरस्वती महाराज कल शुक्रवार को आमला आएंगे। उनके आगमन को लेकर श्रद्धालुओं उत्साह है। इस संबंध में रवि राठौर ने बताया कि स्वामी प्रज्ञानंद सरस्वती महाराज सुबह 5 बजे आमला नगर पहुंचेगे। यहां भक्तों द्वारा पादुका पूजन एवं स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके बाद दोपहर करीब 1 बजे ग्राम नांदपुर पहुंचेंगे।

प्राचीन शिवालय में होगी शिवकथा

भैंसदेही। नगर स्थति प्राचीन शिवालय में आज से शिवकथा प्रारंभ होगी ,उक्त आशय की जानकारी साझा करते हुए मंदिर समिति ने बताया की भगवान आशुतोष के प्रति बढ़ती शिवभक्तों की आस्था को देखते हुए विगत वर्षों से उक्त आयोजन मंदिर प्रांगण में किया जा रहा है ,इस वर्ष भी क्षेत्र के समस्त शिवभक्तों के सहयोग से यह विशाल धार्मिक आयोजन यहां सम्पन्न होगा, जिसमें सुश्री जया देवी अपने मुखारविंद से संगीतमय शिवकथा का वाचन करेगी,आयोजन का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ होगा जो नगर के प्रमुख मार्गों से होकर प्राचीन शिवालय पहुंचेगी जानकारी अनुसार कलश यात्रा में बैलगाड़ी पर सुसज्जित धार्मिक झांकीया विशेष आकर्षण का केन्द्र होगी,जिसकी तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी है। मंदिर समिति ने समस्त शिवभक्तों से कलश यात्रा में उपस्थित हो पुण्यलाभ अर्जित करने की अपील की है, शिवकथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2बजे से शाम 5बजे तक होगा(

कर्मचारियों को हेलमेट लगाने के निर्देश

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को 15 मार्च से दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से पालन करने के कड़े निर्देश दिए है। इसी के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत अधीनस्थ समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, स्टॉफ को निर्देश जारी किए है कि कार्यालय के आगमन एवं प्रस्थान के समय दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाएं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को पुत्री शोक, पंचतत्व में विलीन हुई सुरभि

बैतूल। बुधवार दोपहर को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती रितु खण्डेलवाल की सुपुत्री सुरभि खण्डेलवाल (34) का हृदय गति रूकने से निधन हो गया। वे कुछ समय से अस्वस्थ्य चल रही थी। उनकी अंतिम यात्रा उनके सिविल लाइन्स स्थित निज निवास चंद्रमौली से निकाली गई। अंतिम संस्कार कोठीबाजार स्थित मोक्षधाम में किया गया। मुखाग्नि सुरभि के भाई वरद खण्डेलवाल ने दी। सुरभि के निधन का समाचार मिलते ही शोक संवेदनाएं व्यक्त करने वालों का श्री खण्डेलवाल के निवास पर तांता लगना प्रारंभ हो गया था। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर खंडेलवाल की बेटी के निधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वे एक स्पेशल चाइल्ड थीं। लंबे समय से बीमार थीं। बुधवार सुबह करीब 11.30 बजे उनकी रूटीन फिजियोथेरेपी हुई थी। इसके कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ गई। दोपहर करीब 12.00 बजे जान चली गई। बेटी के निधन की खबर मिलते ही हेमंत खंडेलवाल भोपाल से बैतूल पहुंचे। उनके बैतूल पहुंचकर पर अंतिम यात्रा मोक्षधाम के लिए निकली। कोठी बाजार मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर शोक जताया है। सुरभि खंडेलवाल का बीमारी के कारण निधन अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आचार्य विवेक जैन ने बताया कि वे सुरभि खंडेलवाल को काफी समय से एक्यूपंक्चर और नेचुरोपैथी दे रहे थे। सुरभि के शरीर में लगातार अकडन् रहती थी, जिसका इलाज नेचुरोपैथी और एक्यूप्रेशर से किया गया। इलाज के बाद उनकी हालत में कुछ सुधार हुआ था। वे चलने-फिरने लगी थीं। उन्होंने बताया कि सुरभि का काफी समय से इलाज चल रहा था। वे बोल नहीं पाती थीं, लेकिन हाव-भाव से काफी समझदार और होश थीं। आज फिर से उनकी एक्यूप्रेशर थेरेपी हुई। इलाज के बाद वे हंसीं और वहां मौजूद लोगों से इशारों में बातचीत की। थोड़ी देर बाद खाना खाया, फिर अचानक हार्ट अटैक आ गया जिससे उनका निधन हो गया। सुरभि खण्डेलवाल के निधन पर जिले के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, राजनेताओं, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों, सामाजिक ईष्टमित्रों, शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त किया है।

डोब में पशुचारा जलने से किसान को नुकसान

मुलताई। ब्लॉक के ग्राम डोब में बुधवार दोपहर करीब 1 बजे एक किसान के खेत में रखे पशु चारा में अचानक आग लग गई। जिससे किसान को करीब 50 हजार रुपए का नुकसान होना बताया जाता है।

किसान को करीब 50 हजार रुपये का हुआ नुकसान

दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

नगर पालिका की फायर टीम को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और आग बुझाई गई। बताया जाता है ग्राम डोब निवासी मनाराम बारंगे के खेत में पशु चारे के लिए मक्के का कड़वा रखा था। बुधवार दोपहर अचानक पशुचारे मे आग लग गई। तेज हवाओ के कारण आग तेजी से फैल गई,आसपास के किसानों ने आग बुझाने का प्रयास किया एवं नगरपालिका की फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने पर नगरपालिका की फायर टीम फायर वाहन से मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से आग बुझाई।

पुलिस ने नाबालिग बालिका को किया सकुशल दस्तयाब

मुलताई। थाना क्षेत्र से एक नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले मे पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बालिका को सकुशल दस्तयाब किया है।टीआई नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया बीते 8 मार्च 2026 को फरियादिया द्वारा थाना मुलताई में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि 6 मार्च 2026 को सुबह करीब 10 बजे उसकी नाबालिग बालिका को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ कहीं ले गया है। मुलताई पुलिस द्वारा इस मामले में धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम गठित कर संभावित स्थानों पर लगातार तलाश की गई लगातार प्रयासों के बाद 10 मार्च 2026 को ग्राम प्रभात पट्टन क्षेत्र से नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।उक्त कार्रवाई में टीआई नरेन्द्र सिंह परिहार, उपनिरीक्षक दिनेश कुमरे, सहायक उपनिरीक्षक हुकुमचंद बिल्लोरे, प्रधान आरक्षक दिनेश बर्डे,पुष्पा धुर्वे, आरक्षक कमलेश डेहरिया, लक्ष्मीचंद एवं डुमलेश्वर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नुक्कड़ नाटक से आपदा प्रबंधन के प्रति किया जागरूक

मुलताई। नगर में बुधवार को जिला आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य बीआर सरयाम के मार्गदर्शन में आपदा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान बस स्टैंड, फव्वारा चौक, नागपुर नाके पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नागरिकों को आपदा से बचाव के तरीके बताए।

घबराने के बजाए धैर्य रखने की दी समझाइश

नुक्कड़ नाटक देखने के लिए मौजूद रहे लोग

अभियान के तहत कलाकारों ने नाटक प्रस्तुत कर भूकंप, आगजनी, सड़क दुर्घटना जैसी आपदा की स्थिति में घबराने के स्थान पर धर्य रखते हुए कार्य करने और तत्काल राहत व बचाव कार्य करने के तरीके बताए। वहीं नागरिकों से आपदा के समय पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने और प्रशासन को तुरंत सूचना देने का अनुरोध किया। कार्यक्रम के दौरान मौजूद अधिकारियों और टीम के सदस्यों ने लोगों को आपदा के समय सावधानी बरतने, सुरक्षित स्थान पर जाने और जरूरतमंदों को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराने के प्रति जागरूक किया। नुक्कड़ नाटक देखने बडी संख्या मे लोग पहुंचे।

सावित्रीबाई फूले ने शिक्षा का आंदोलन चलाया

बैतूल। पंचशील बुद्ध विहार सदर में पंचशील बुद्ध विहार महिला मंडल द्वारा देश की पहली महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की अमर कृति, आदर्श स्वरुप प्रतिमा बुद्ध विहार में लगाए जाने के लिए भंते दीपांकर को दान की। इस मौके पर समिति की संरक्षक श्रीमती वंदना झरबड़े ने बताया कि सावित्रीबाई फूले द्वारा जो शिक्षा की अलख इस देश में चलाई गई जिससे आज हमारे देश की महिलाएं शिक्षित हो सकीं और देश दुनिया में ही नहीं चांद तक अपनी उड़ान भरने में सफल हुईं। यह केवल शिक्षा के आंदोलन के कारण हो सका। इस पावन दिवस को हम महिलाओं द्वारा आदर्श स्वरूप में एक प्रतिमा भी दान कर रहें हैं और इस दिन को महिला मण्डल द्वारा विश्व महिला दिवस के रूप मे गरिमामयी रूप से मनाने के लिए वचनबद्ध हुए हैं। कार्यक्रम भंते दीपांकर समाज सेवी मीरा एंथोनी, समाज सेवक शिरीष पटेल, संगीत गुरू नरेंद्र नाथ पाटिल के आतिथ्य में और अंजू मांडवे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त कर सावित्रीबाई फूले को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक गीता घोगरकर, संरक्षक कमला आवलेकर, ऊषा वामनकर, ललिता खातरकर, गोरेलाल झरबडे आदि का सराहनीय योगदान रहा।

नल-जल योजना बंद, घोघरा में पेयजल संकट

बैतूल। विकास खंड भीमपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत चोहटा पोपटी के ग्राम घोघरा में सरकार की महत्वपूर्ण नल जल योजना पिछले चार साल से शुरू नहीं हो सकी है। ठेकेदार और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को आज तक शुद्ध पेयजल का लाभ नहीं मिल पाया है। जबकि सरकार की यह प्रमुख योजना हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी और जिला प्रशासन भी इसकी समय-समय पर समीक्षा कर सख्त निर्देश देता रहा है, इसके बावजूद जमीनी स्तर पर योजना ठप पड़ी हुई है। ग्रामीणों और ग्राम पंचायत द्वारा

कई बार ठेकेदार से संपर्क किया गया, लेकिन हर बार अलग-अलग बहाने बनाकर काम टाल दिया गया। कभी बिजली विभाग द्वारा कनेक्शन चालू नहीं किए जाने का हवाला दिया जाता है तो कभी अन्य कारण बताकर ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों को गुमराह किया जाता है। इसी कारण ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर नहीं पहुंच पा रहा है। ग्राम घोघरा की स्थिति यह है कि योजना के तहत बोर में ट्यूबवेल डाला जा चुका है, पाइपलाइन का कार्य भी पूरा हो चुका है और संपवेल भी बनकर तैयार है, इसके बावजूद आज तक योजना चालू नहीं की गई। परिणामस्वरूप गांव के लोगों को मजबूरी में कूआ, बावड़ी और नदी जैसे स्रोतों से पानी पीना पड़ रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही गांव में पेयजल की समस्या और गंभीर हो गई है।

जिला स्तरीय रोजगार मेले में 37 अभ्यर्थियों का किया चयन

बैतूल। मध्य प्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम के तहत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप रोजगार मेले का आयोजन 11 मार्च को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सदर बैतूल में किया गया।

रोजगार मेले के शुभारंभ अवसर पर आईएमसी उपाध्यक्ष आनंद प्रजापति, सदस्य सतीश बडोनिया, सदस्य जवाहर शुक्ला, सदस्य अम्बेस बलुवापुरी, सदस्य

वसंत बाबा माकोडे, सदस्य अतीत पंवार, जिला रोजगार अधिकारी, डॉ.श्याम कुमार धुर्वे, प्राचार्य आईटीआई बैतूल तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थिति थे। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में 125 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया था। इस दौरान 10 निजी कंपनियों के द्वारा 37 आवेदकों का प्राथमिक रूप से चयन कर लेटर ऑफ इंटेंट प्रदाय किये गए। जिला रोजगार कार्यालय के द्वारा 125 विद्यार्थियों को कैरियर से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वहीं स्वरोजगार विभागों जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के द्वारा स्टॉल लगाकर विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अलावा 4 हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिये ऋण प्रदान किया गया। रोजगार मेले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाकर 55 अभ्यर्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें 20 सिकलसेल, शुगर- 24, ब्लड टेस्ट-24, ओरल टेस्ट-12 बीपी-55, बीएमआई के 55 मरीजों की जांच की गई।

आंदोलन ठेका मजदूरों के कथित शोषण, वेतन कटौती और बकाया भुगतान को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन आंदोलन

आंदोलन स्थल पर पहुंचा प्रशासनिक अमला, मजदूरों से ली जानकारी

पाथाखेड़ा। वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के पाथाखेड़ा क्षेत्र की कोयला खदानों में ठेका मजदूरों के कथित शोषण, वेतन कटौती और बकाया भुगतान को लेकर चल रहे अनिश्चितकालीन आंदोलन के बीच बुधवार को प्रशासनिक टीम ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर मजदूरों की समस्याएं सुनीं। जिला कलेक्टर बैतूल के निर्देश पर दो श्रम अधिकारी, नायब तहसीलदार, सारनी थाना प्रभारी तथा डब्ल्यूसीएल प्रबंधन के अधिकारी दोपहर लगभग 1 बजे आंदोलन स्थल पहुंचे और मजदूरों से सीधे संवाद किया। अधिकारियों ने क्षेत्र की तीनों कोयला खदानों में कार्यरत ठेका

मजदूरों से मुलाकात कर आर्थिक शोषण, वेतन कटौती और अन्य अनियमितताओं की विस्तृत जानकारी ली। श्रम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि श्रम कानूनों के तहत ठेकेदार और प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि मजदूरों को समय पर पूरा वेतन दिया जाए तथा मजदूरों और उनके परिवारों को चिकित्सा सुविधा, दुर्घटना की स्थिति में इलाज और मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने प्रबंधन को इन प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। आंदोलन का प्रतिनिधित्व कर रहे समाजसेवी प्रदीप नागले और मनोज पवार ने अधिकारियों के समक्ष मजदूरों की प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने कहा कि मजदूरों को पूरा वेतन सीधे बैंक खातों में दिया जाए, भविष्य में निर्धारित श्रेणी के अनुसार नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जाए तथा मजदूरों को प्रताड़ित करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही सीएमपीएफ पासबुक बनाकर अब तक काटे गए अंशदान का पूरा विवरण देने की मांग भी रखी गई।मजदूर नेताओं संतोष देशमुख, बाबूलाल भारती, सत्यवान मंडल और धर्मेन्द्र चौरे ने बताया कि कुछ स्थानों पर महिला मजदूरों को डराकर उनके वेतन का पैसा वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है, जिससे मजदूरों में गहरा आक्रोश है।सारनी थाना प्रभारी जयपाल इवनाती ने आंदोलनकारियों को आश्वस्त किया कि दो दिनों के भीतर संबंधित ठेकेदारों के साथ बैठक कर पूरे मामले की समीक्षा की जाएगी और मजदूरों को उनका हक दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान एचआरएम विनायक शंकर, एन. रेड्डी, सुरक्षा अधिकारी प्रधान, श्रम अधिकारी अक्षय बनिया और नायब तहसीलदार संतोष पथोरिया सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासनिक टीम के आंदोलन स्थल पर पहुंचने से मजदूरों में उम्मीद जगी है कि लंबे समय से चले आ रहे वेतन विवाद और शोषण के मुद्दे का जल्द समाधान निकल सकेगा।

बिजली चोरी के प्रकरणों के होंगे समझौते

बैतूल। आगामी 14 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अन्य अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के लंबित प्रकरणों एवं विशेष न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण के लिए अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने हेतु अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें। विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के बनाए गए लंबित प्रकरण एवं अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही

14 मार्च को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

10 लाख तक के प्रकरणों का होगा समझौता

छूट दी जाएगी। कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के बाद प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के बाद प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि नेशनल लोक अदालत में छूट कुछ नियम एवं शर्तों के तहत दी जाएगी जो आकलित सिविल दायित्व राशि रू. 10 लाख तक के प्रकरणों के लिए सीमित रहेगी। यह छूट मात्र नेशनल लोक अदालत 14 मार्च को समझौते करने के लिये ही लागू रहेगी।